दैनिक भारत कि

तामीर

संपादक - काझी मकदूम शफीउद्दीन hinditameer@gmail.com

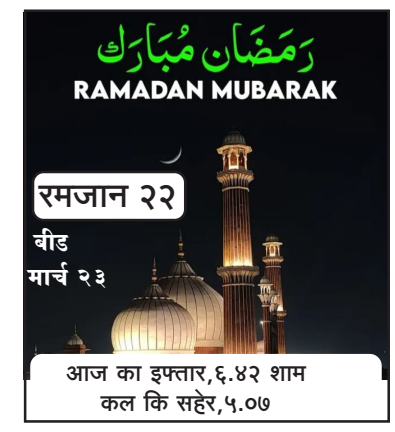

बीड (महाराष्ट्र) | वर्ष-१ ला | अंक-२२९ वा | रविवार २३ मार्च २०२५ | RNI TITLE CODE:MAHHIN11405/120/1/3/2024 | किमत : २ रूपये | पन्ने - ४

'आदित्य का नाम न लेने के लिए उद्धव ठाकरे ने दो बार फोन किया था'

नारायण राणे का बड़ा खुलासा

रिपोर्ट: जमीर काज़ी । मुंबई

पूर्व केंद्रीय मंत्री और भाजपा सांसद नारायण राणे ने शनिवार को बड़ा खुलासा करते हुए कहा कि जब उद्धव ठाकरे मुख्यमंत्री थे, तब उन्होंने दिशा सालियन मामले में आदित्य ठाकरे का नाम न लेने की विनती करते हुए दो बार फोन किया था।

भाजपा के प्रदेश कार्यालय में आयोजित पत्रकार परिषद में राणे ने इस घटनाक्रम की विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि उस समय की मुंबई की महापौर किशोरी पेडणेकर ने भी दिशा सालियन के पिता पर दबाव बनाया था कि वे आदित्य ठाकरे का नाम न लें।

गौरतलब है कि मालाड में पांच साल पहले हुई दिशा सालियन की मौत के मामले की जांच सीबीआई से कराए जाने की मांग

को लेकर उच्च न्यायालय में याचिका दाखिल की गई है। इस याचिका में दावा किया गया है कि इस हत्याकांड के पीछे आदित्य ठाकरे, सूरज पंचोली, डिनो मोरिया और तत्कालीन महापौर किशोरी पेडणेकर की भूमिका संदिग्ध है। इस मामले पर अगली सुनवाई दो अप्रैल को होनी है।

गुरुवार को इस विषय को लेकर विधानसभा के बजट सत्र में सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच भारी हंगामा हुआ था। राज्य में यह विषय अब चर्चा का केंद्र बना हुआ है और नारायण राणे के नए खुलासे से इस पर और भी बहस तेज हो गई है।

राणे ने पत्रकार परिषद में कहा, उद्धव ठाकरे का पहला फोन उस वक्त आया जब मैं मुंबई से घर जा रहा था। बांद्रा पार करते समय मिलिंद नार्वेकर का फोन आया, उन्होंने कहा कि उद्धवजी बात करना चाहते हैं। फोन पर ठाकरे बोले - 'आपके भी बच्चे हैं, मेरे भी हैं। आप प्रेस में जो बयान दे रहे हैं, उसमें आदित्य का नाम ले रहे हैं। मेरी विनती है कि आप उसका नाम न लें।' मैंने जवाब दिया कि मैंने किसी का नाम नहीं लिया, लेकिन एक निर्दोष लड़की के साथ अत्याचार कर उसकी हत्या हुई है, और मैं चाहता हूं कि आरोपी पकड़े जाएं। इसमें कोई समझौता नहीं हो सकता।

राणे ने बताया कि दूसरा फोन कोविड के समय आया, जब उनके अस्पताल का उद्घाटन हो रहा था और एक परमिशन बाकी थी। उस समय उद्धव ठाकरे ने फिर फोन कर कहा - साहेब, वह परमिशन तो मिल जाएगी, लेकिन प्रेस में आदित्य का नाम न लें तो अच्छा रहेगा। राणे ने कहा, मैंने दोबारा यही कहा कि मैंने किसी का नाम नहीं लिया, पर यह जरूर कहा है कि एक मंत्री का इसमें हाथ हो सकता है।

विधान परिषद में हुए हंगामे को लेकर राणे ने कहा, अनिल परब में कोई दम नहीं है, वह कुछ नहीं कर सकते। उन्होंने यह भी कहा कि दिशा सालियन केस में जो जानकारी उनके पास है, वह उन्होंने जांच एजेंसी को दे दी है और अब कोर्ट के आदेश पर पुलिस को तत्काल कार्रवाई करनी चाहिए। 'गडकरी से ही पूछिए किन नेताओं की बात कर रहे थे'

देश में नेता जातिवादी हैं, जनता नहीं - इस बयान पर जब पत्रकारों ने केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी से जुड़ा सवाल राणे से किया, तो उन्होंने जवाब दिया - वो वरिष्ठ नेता हैं, आप उन्हीं से पूछिए कि वे किन नेताओं की बात कर रहे थे और क्या उन्हें पार्टी से निकालने का इरादा है।

ऐसे कचरे पर ध्यान नहीं देता- आदित्य ठाकरे का पलटवार

मुंबई (प्रतिनिधि): कांग्रेस छोड़कर बीजेपी में शामिल हुए पूर्व केंद्रीय मंत्री नारायण राणे द्वारा लगाए गए आरोपों पर जब ठाकरे गुट के नेता आदित्य ठाकरे से प्रतिक्रिया मांगी गई, तो उन्होंने तीखा जवाब देते हुए कहा, मैं ऐसे कचरे पर ध्यान नहीं देता। उन्हें मुझ पर आरोप लगाने के लिए ही वेतन मिलता है।

आदित्य ठाकरे ने बिना नाम लिए राणे पर निशाना साधते हुए कहा कि इस प्रकार के निराधार आरोपों को वह गंभीरता से नहीं लेते और जनता भी अब इन हथकंडों को समझने लगी है।

दिशा सालियन केस में वाझे था मुख्य साजिशकर्ता: राणे

इससे पहले नारायण राणे ने दिशा सालियन मौत मामले को लेकर बड़ा बयान देते हुए कहा कि इस केस की जांच को दबाने के पीछे बर्खास्त व विवादास्पद पुलिस अधिकारी सचिन वाझे का हाथ था। उन्होंने मांग की कि इस मामले की दोबारा निष्पक्ष जांच होनी चाहिए, ताकि दिशा सालियन के माता-पिता को न्याय मिल सके। राणे ने कहा कि पुलिस को यह केस फिर से खोलना चाहिए और उन सभी लोगों की भूमिका की जांच करनी चाहिए जो शुरू से इसे दबाने की कोशिश कर रहे थे।

तो बीड भी मणिपुर बन जाएगा-सांसद रजनी पाटील का सरकार पर तीखा हमला

दिल्ली, २२ मार्च (प्रतिनिधि):

राज्यसभा में कांग्रेस नेता रजनी पाटील ने बीड जिले के मस्साजोग गांव के सरपंच संतोष देशमुख की हत्या के मुद्दे पर राज्य और केंद्र सरकार दोनों पर तीखा हमला बोला। उन्होंने जम्मू-कश्मीर की स्थिति और गृह मंत्रालय की असंतोषजनक कार्यप्रणाली पर भी कड़ी आलोचना की।

रजनी पाटील ने कहा, बीड जिले के मस्साजोग गांव के सरपंच संतोष देशमुख की क्रूर हत्या ने एक बार फिर राज्य की कानून-व्यवस्था की विफलता को उजागर किया है। अगर समय पर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई नहीं हुई, तो बीड जिला और महाराष्ट्र भी मणिपुर बनने में देर नहीं लगेगी। यह बात एक स्थानीय किसान ने कांग्रेस की सद्भावना यात्रा के दौरान कही थी, जिसे पाटील ने राज्यसभा में दोहराया।

राज्यसभा में मराठी में दिए गए अपने १० मिनट के भाषण में रजनी पाटील ने कई मुद्दों पर केंद्र सरकार को घेरा। उन्होंने कहा, केंद्र सरकार बार-बार दावा करती है कि जम्मू-कश्मीर की स्थिति सामान्य हो रही है, तो फिर वहां की सुरक्षा के लिए इस साल ४१,००० करोड़ रुपये का भारी प्रावधान क्यों किया गया? मोदी सरकार ने कश्मीरी पंडितों का इस्तेमाल केवल एक राजनीतिक हथियार की तरह किया है। उनकी मदद करने के बजाय, केवल फिल्में बनाकर और बातें करके उन्हें भुनाया गया है।

कांग्रेस की ओर से पाटील को २० मिनट का समय दिया गया था, लेकिन पहले के वक्ताओं का भाषण लंबा होने के कारण उन्हें केवल ७ से ८ मिनट ही मिले। भाषण जल्दी-जल्दी पढ़ते समय उन्हें जोर की खांसी आ गई। यह देख भाजपा की वरिष्ठ सदस्य सुधा मूर्ति अपनी सीट से आगे आईं और उन्होंने रजनी पाटील को पानी की बोतल दी। बाद में जब पाटील ने मूर्ती का धन्यवाद किया तो उन्होंने जवाब दिया, इसमें पार्टी का क्या लेना-देना? जब कोई परेशानी में हो, तो इंसान को मदद करनी चाहिए।

भक्तों के वाहन का भीषण हादसा

दो की मौके पर मौत; सात गंभीर रूप से घायल

बीड, २२ मार्च (प्रतिनिधि): तुळजापूर में दर्शन के लिए जा रहे नासिक जिले के भक्तों की गाड़ी शनिवार (२२ मार्च) तड़के बीड-गेवराई रोड पर एक पुल से टकराकर भीषण दुर्घटना का शिकार हो गई। इस हादसे में दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि सात लोग गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। लोणारे परिवार पर इस हादसे ने कहर बनकर हमला किया और दो अपनों को हमेशा के लिए छीन लिया। घायलों में तीन छोटे बच्चे शामिल हैं, जबकि मृतकों में एक ५ वर्षीय बच्ची भी है।

मृतकों की पहचान योगेश पोपट लोणारे (आयु ४०) और ईश्वरी रामेश्वर लोणारे (आयु ५) के रूप में हुई है। वहीं, गंभीर रूप से घायल लोगों में पूजा रामेश्वर लोणारे (आयु २५), पूनम योगेश लोणारे (आयु ३०), समर्थ योगेश लोणारे (आयु १०), श्रावणी योगेश लोणारे (आयु ४), शंभू योगेश लोणारे (आयु १७), रामेश्वर पोपट लोणारे (आयु ३७), और दत्तात्रय सोमनाथ अडवाई (आयु ४७) का समावेश है। ये सभी लोग सिन्नर (जिला नासिक) के निवासी हैं।

लोणारे परिवार दर्शन के लिए सिन्नर से तुळजापूर की ओर इको कार (क्र. चक-१५ क्व् ६७१६) से निकले थे। इसी दौरान गेवराई से आगे बीड की ओर जाते समय रांजणी फाटा के पास तड़के यह कार पुल की रेलिंग से जा टकराई, जिससे यह भीषण हादसा हुआ।

हादसे के बाद राहगीरों ने तुरंत मदद की और एंबुलेंस बुलाकर घायलों को बीड जिला अस्पताल पहुंचाया गया। वहां दुर्घटना विभाग में सभी का तत्काल इलाज शुरू किया गया। इलाज के दौरान योगेश पोपट लोणारे की मौत हो गई। इसके बाद ईश्वरी रामेश्वर लोणारे ने भी दम तोड़ दिया। अन्य सात घायलों का इलाज जारी है।

क्या महाराष्ट्र का गृह विभाग 'घाशीराम कोतवाल' की तर्ज़ पर चल रहा है?-हर्षवर्धन सपकाळ का सरकार पर हमला

रिपोर्ट: जमीर काज़ी । मुंबई

कांग्रेस के प्रदेशाध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाळ ने शनिवार को महाराष्ट्र सरकार और गृह विभाग पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि राज्य में कानून व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है और ऐसा लगता है मानो महाराष्ट्र का गृह विभाग 'घाशीराम कोतवाल' की शैली में चल रहा है। उन्होंने मांग की कि राज्य को अब पूर्णकालिक और सक्षम गृहमंत्री की सख्त जरूरत है।

सपकाळ ने आरोप लगाया कि छत्रपति शिवाजी महाराज का अपमान करने वाले प्रशांत कोरटकर को सुरक्षा दी गई, जबकि उसी दौरान वह फरार हो गया। उन्होंने सवाल किया कि जब कोरटकर भाग रहा था, तब सरकार और पुलिस विभाग क्या कर रहे थे? क्या गृह विभाग सो रहा था? उन्होंने आरोप लगाया कि कोरटकर के पुलिस अधिकारियों और गृह विभाग से नजदीकी संबंध थे और उसके भागने में पुलिस की मिलीभगत हो सकती है।

महाराज का अपमान करो और सुरक्षा पाओ - यही है फडणवीस सरकार की नीति

सपकाळ ने कहा कि राज्य में छत्रपति शिवाजी महाराज का अपमान करो और सुरक्षा पाओ, यही सरकार की योजना है। पुणे में रहने वाला राहुल सोलापुरकर भी महाराज का अपमान करता है, लेकिन पुणे पुलिस आयुक्त कहते हैं कि उसके खिलाफ केस दर्ज नहीं किया जा सकता और उसे पुलिस सुरक्षा दी जाती है।

राज्य में कानून-व्यवस्था की हालत खराब

उन्होंने राज्य में हाल ही में हुई घटनाओं का हवाला देते हुए कहा -

स्वारगेट बस स्टैंड पर बलात्कार,

बीड़ में सरपंच की नृशंस हत्या,

परभणी में पुलिस कस्टडी में युवक की मौत,पुणे में केंद्रीय मंत्री के कार्यकर्ता की पिटाई,जळगांव में केंद्रीय मंत्री की बेटी से छेड़छाड़ - इन सब घटनाओं से साफ है कि राज्य में पुलिस का डर खत्म हो गया है।

फडणवीस का शासन औरंगजेब की तरह क्रूरसपकाळ ने कहा कि उन्होंने पहले भी कहा था कि फडणवीस का शासन औरंगजेब के शासन जैसा क्रूर है, और जब उन्होंने यह कहा तो उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने उन पर देशद्रोह का मामला दर्ज करने की मांग की। उन्होंने स्पष्ट किया कि वे अपने बयान पर अब भी कायम हैं और माफी मांगने का कोई सवाल ही नहीं उठता। उन्होंने पूछा कि दोनों उपमुख्यमंत्री राहुल सोलापुरकर के बयान पर चुप क्यों हैं?

ड्रग्स और अपराध का केंद्र बन रहा पुणे

उन्होंने कहा कि आज पुणे शहर में राज्यभर से बच्चे पढ़ने आते हैं, लेकिन अब वहां खुलेआम ड्रग्स की बिक्री हो रही है। गुजरात के कांडला बंदरगाह से नशे की खेप आ रही है, लेकिन उसकी जांच नहीं होती।

औरंगजेब की कब्र पर राजनीति, लेकिन अंग्रेजों के पेंशनधारियों पर चुप्पी

सपकाळ ने कहा कि जब छत्रपति शिवाजी महाराज के खिलाफ आपत्तिजनक बातें करने वालों पर कार्रवाई नहीं होती, तब दूसरी ओर औरंगजेब की कब्र का मुद्दा उछाला जाता है। उन्होंने सवाल किया कि क्या विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल अंग्रेजों की पेंशन लेने वाले लोगों के स्मारक और मूर्तियां हटाएंगे? अंग्रेजों ने जालियांवाला बाग हत्याकांड किया, भगत सिंह जैसे क्रांतिकारियों को फांसी दी - इनसे जुड़े लोगों की विरासत पर सवाल क्यों नहीं उठाए जाते?

कांग्रेस पदाधिकारियों की बैठक में रखे विचार

इस पत्रकार परिषद में कांग्रेस के प्रदेश उपाध्यक्ष मोहन जोशी, पूर्व मंत्री रमेश बागवे, पुणे शहर कांग्रेस अध्यक्ष अरविंद शिंदे, पूर्व विधायक संजय जगताप, संजय बालगुडे, अनंत गाडगील, दीप्ति चौधरी आदि नेता उपस्थित थे। इसके बाद हर्षवर्धन सपकाळ ने पुणे शहर, जिला कांग्रेस कमिटी और पिंपरी चिंचवड़ पदाधिकारियों के कार्यकर्ता मेळावा (सम्मेलन) को भी संबोधित किया।

उर्दू दैनिक तामीर के २५ वे साल में क़दम रखने पर एक और पेशकश

टाइगर अटैक रोकने के लिए तीन महीने में कार्ययोजना तैयार करें: मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस

मुंबई (विशेष प्रतिनिधि):

गडचिरोली जिले में बाघों के हमलों से हो रही जनहानि को रोकने के लिए विशेषज्ञों के मार्गदर्शन में तत्काल विशेष उपाय योजना लागू करने के निर्देश राज्य के उपमुख्यमंत्री व गडचिरोली जिले के संपर्क मंत्री देवेंद्र फडणवीस ने दिए हैं। उन्होंने बीते पांच वर्षों में बाघों के हमलों में जान गंवाने वाले परिवारों को विशेष मुआवजा देने और अतिरिक्त बाघों के विस्थापन जैसी योजनाओं को लेकर तीन महीने के भीतर रिपोर्ट सौंपने के निर्देश भी दिए हैं।

मुख्यमंत्री फडणवीस ने गडचिरोली जिले में बाघों के हमलों से नागरिकों की हो रही मौतों को गंभीरता से लेते हुए इस पर शीघ्र कार्यवाही की बात कही। उन्होंने मित्रा संस्था के मुख्य कार्यकारी अधिकारी प्रवीण परदेशी के मार्गदर्शन में एक ठोस कार्ययोजना तैयार करने के आदेश दिए। इसके तहत परदेशी ने नागपुर में वरिष्ठ वन अधिकारियों की बैठक लेकर उपायों पर चर्चा की और उन्हें लागू करने के निर्देश दिए।

गौरतलब है कि गडचिरोली जिले के चारमोशी, आरमोरी, वडसा और धानोरा क्षेत्रों में पिछले पांच वर्षों में बाघों के हमलों में ५० से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है। फडणवीस ने निर्देश दिए कि इन क्षेत्रों का गहराई से अध्ययन कर तीन महीने के भीतर अतिरिक्त बाघों का अन्यत्र विस्थापन किया जाए और मृतकों के परिजनों को विशेष मुआवजा दिया जाए।

बैठक में चपराळा और प्राणहिता अभयारण्यों में सागवान पेड़ों की संख्या घटाकर घास के मैदान बढ़ाने का निर्णय हुआ, ताकि शाकाहारी जानवरों की संख्या बढ़े और मांसाहारी जानवरों को पर्याप्त भोजन मिले। प्रत्येक गांव में 'वन पाटील' की नियुक्ति करने का प्रस्ताव भी पारित किया गया, ताकि वन्यजीव से संबंधित समस्याओं पर स्थानीय स्तर पर नियंत्रण किया जा सके।

इसके साथ ही फसलों को हुए वन्यजीव नुकसान की शीघ्र भरपाई के लिए 'ई-पंचनामा' प्रणाली लागू करने, चपराळा अभयारण्य के ६ गांवों के विस्थापन हेतु सामाजिक-आर्थिक मूल्यांकन करने और पुनर्वसन के लिए नई जगह तलाशने जैसे कई निर्णय बैठक में लिए गए। इसके अलावा, 'वाइल्डलाइफ इंस्टिट्यूट' जैसी संस्थाओं के विशेषज्ञों को भी योजना से जोड़ा जाएगा। बाघ और मानव के टकराव से संबंधित संवेदनशील क्षेत्रों को लेकर शमन योजना (चळींळसरींळेप झश्ररप) तैयार करने की भी चर्चा हुई। विशेषज्ञों का मानना है कि हमलावर बाघ प्रायः उम्रदराज होते हैं, इसलिए इनके विस्थापन के लिए विशेष नीति बनाना जरूरी है। इस महत्वपूर्ण बैठक में राज्य के प्रधान मुख्य वन संरक्षक शोमिता बिस्वास, अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक विवेक खांडेकर, ताडोबा अंधारी टाइगर प्रोजेक्ट के मुख्य वन संरक्षक डॉ. रामचंद्र रामगावकर, गडचिरोली वन विभाग के मुख्य वन संरक्षक एस. रमेशकुमार सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

क्या राज्य सरकार राज्य शिक्षा मंडल को बंद कर सिर्फ सीबीएससी लागू करने वाली है?-सांसद सुप्रिया सुले का सवाल

राज्य में १०० दिनों में सिर्फ बढ़ी है अपराध की घटनाएं-सुप्रिया सुले।

रिपोर्ट: जमीर काज़ी । मुंबई

राज्य की शालेयों में सीबीएससी बोर्ड लागू किए जाने को लेकर राष्ट्रवादी कांग्रेस (शरद पवार गुट) की राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष एवं सांसद सुप्रिया सुले ने शनिवार को सरकार से तीखे सवाल किए। उन्होंने पूछा कि अगर राज्य में सभी स्कूलों में उइडए लागू किया जा रहा है, तो क्या राज्य शिक्षा मंडल को बंद कर दिया जाएगा? और मराठी भाषा का भविष्य क्या होगा?

मुंबई में पत्रकारों से बात करते हुए सुप्रिया सुले ने राज्य सरकार पर गंभीर आरोप लगाए और कहा कि बीते १०० दिनों में महाराष्ट्र में केवल अपराध ही बढ़े हैं। उन्होंने कहा कि सरकार भले दावा करे, लेकिन देश के डेटा से साफ है कि महाराष्ट्र अपराध के मामलों में पहले नंबर पर है।

उइडए को लेकर उन्होंने सवाल उठाया – उइडए पाठ्यक्रम में मराठी भाषा का कितना प्रतिशत होगा? क्या इसमें महाराष्ट्र का इतिहास शामिल होगा? राज्य के बारे में कितनी जानकारी दी जाएगी? क्या सरकार के पास उइडए लागू करने की पूरी तैयारी है? क्या पर्याप्त शिक्षक हैं? अगर सभी स्कूलों में उइडए लागू किया गया, तो मराठी भाषा का क्या होगा?

उन्होंने राज्य शिक्षा मंडल को खत्म करने की आशंका जताते हुए कहा कि यह फैसला राज्य की मातृभाषा और सांस्कृतिक पहचान के खिलाफ होगा।

राज्य की आर्थिक स्थिति पर बोलते हुए सुप्रिया सुले ने कहा, राज्य के वित्त मंत्री ने खुद कहा है कि पैसों की नकल नहीं की जा सकती। मैं चार महीनों से यही बात कह रही हूं। इस सरकार ने आदिवासी और सामाजिक कल्याण विभागों का बजट भी दूसरी जगह स्थानांतरित कर दिया है। शेयर बाजार से तीन से चार लाख करोड़ की पूंजी बाहर चली गई है। निवेश देश से बाहर जा रहा है। आम आदमी के पैसे डूब रहे हैं। सरकार को ये बातें क्यों नहीं समझ में आ रही हैं?

उन्होंने कहा, महाराष्ट्र की आर्थिक स्थिति बेहद खराब है, यह खुद राज्य के वित्त मंत्री ने विधानसभा में स्वीकार किया है। इसलिए सरकार को औरंगजेब जैसे भावनात्मक मुद्दों से ध्यान हटाकर किसानों और निवेश के मुद्दों पर गंभीरता से काम करना चाहिए।

आरोपी देश छोड़कर चला गया और सरकार कुछ नहीं कर सकी सुप्रिया सुले ने कहा कि छत्रपति शिवाजी महाराज और संभाजी महाराज के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी करने वाले प्रशांत कोरटकर पर गंभीर आरोप हैं। साथ ही इतिहासकार इंद्रजीत सावंत को जान से मारने की धमकी देने का भी उस पर आरोप है।

उन्होंने सवाल किया कि, ऐसा व्यक्ति नागपुर से दिल्ली और फिर दुबई कैसे चला गया? राज्य पुलिस और गृह विभाग क्या कर रहा था? अगर राज्य सरकार उसे नहीं खोज पा रही है, तो उसे केंद्र की मदद लेनी चाहिए।

महाराष्ट्र में सबसे ज्यादा अपराध, सरकार चुप नागपुर में हुई हिंसा का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि एक सुसंस्कृत शहर में दंगे हो गए हैं, और आज ६ दिन बाद भी कई इलाकों में कर्फ्यू लगा हुआ है। राज्य में क्या चल रहा है? अगर सरकार के १०० दिन के काम का रिपोर्ट कार्ड देखें, तो केवल अपराध बढ़े हैं, इसके सिवा और कुछ नहीं दिखता।

बीड और परभणी में अन्याय के खिलाफ हमारा संघर्ष जारी रहेगा सुले ने बीड में सरपंच की हत्या और परभणी में एक कानून के छात्र की पुलिस स्टेशन में मौत की घटनाओं का जिक्र करते हुए कहा कि, इन दोनों घटनाओं में सबसे पहले शरद पवार पीड़ित परिवारों से मिले। सरकार के कितने लोग इन परिवारों से मिलने गए? यह राजनीति नहीं, इंसानियत का सवाल है। हम बीड और परभणी के अन्यायग्रस्त परिवारों के साथ हैं और जब तक हमलों से शासन नहीं रुकता, हमारी यही भूमिका बनी रहेगी।

शिवछत्र परिवारद्वारा आयोजित रोजा इफ्तार को मिला उत्साहजनक प्रतिसाद

अमरसिंह पंडित, विधायक विजयसिंह पंडित ने दी शुभकामनाएं

गेवराई, २२ मार्च (प्रतिनिधि):

पवित्र रमजान माह के अवसर पर पूर्व मंत्री शिवाजीराव पंडित के परिवार की ओर से गेवराई में आयोजित भव्य रोजा इफ्तार पार्टी को हिंदू और मुस्लिम समाज के लोगों ने उत्साहपूर्वक प्रतिसाद दिया। इस अवसर पर राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के प्रदेश महासचिव अमरसिंह पंडित, विधायक विजयसिंह पंडित, जयसिंह पंडित, युवा नेता पृथ्वीराज पंडित और रणवीर पंडित ने मुस्लिम समुदाय को शुभकामनाएं दीं।

शनिवार, २२ मार्च को शाम ६:४२ बजे छत्रपती शिवाजी महाराज सांस्कृतिक भवन, नगर परिषद कॉम्प्लेक्स, गेवराई में आयोजित इस इफ्तार पार्टी में बड़ी संख्या में हिंदू-मुस्लिम नागरिकों की उपस्थिति ने सामाजिक एकता का प्रतीक प्रस्तुत किया।

पूर्व मंत्री शिवाजीराव पंडित के परिवार और शिवछत्र परिवार की ओर से प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष भी रमजान के पावन अवसर पर भव्य इफ्तार पार्टी का आयोजन किया गया।

इस कार्यक्रम में प्रमुख रूप से उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के प्रदेश महासचिव अमरसिंह पंडित, विधायक विजयसिंह पंडित, जय भवानी व जगदंबा शिक्षण प्रसारक मंडल के सचिव जयसिंह पंडित, युवा नेता पृथ्वीराज पंडित, रणवीर पंडित, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के तालुका अध्यक्ष भाऊसाहेब नाटकर, कृषि उत्पन्न बाजार समिति के सभापति मुजीब पठान, भवानी बैंक के उपाध्यक्ष मुहम्मद अब्दुल हन्नान, मुहम्मद गौस, संजय गांधी निराधार योजना समिति के अध्यक्ष दादासाहेब घोडके, मनोज हजारे, रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया के तालुका अध्यक्ष किशोर कांडेकर समेत गेवराई शहर व तालुका के रोजेदार मुस्लिम नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

वैश्विक परिवार

रमजान विशेष

अर्शद शेख
ऑर्किटेक इंजिनिअर

कुरआन एक क्रांतिकारी ग्रंथ है जो संपूर्ण मानवता के मार्गदर्शन और उद्धार के लिए सृष्टिकर्ता द्वारा अवतरित किया गया है। इसने भेदभाव की सभी दीवारें गिराकर सम्पूर्ण मानवजाति को एक परिवार बना दिया। कुरआन में कहा गया है –

ऐ लोगो! अपने पालनहार से डरो, जिसने तुम्हें एक ही जीव से पैदा किया और उसी से उसका जोड़ा बनाया और फिर उनसे बहुत से पुरुष और स्त्रियाँ फैला दीं।

(कुरआन ४:१)

इस्लाम ने मानव जाति को केवल समानता का नहीं बल्कि विश्व बंधुत्व का अनोखा सिद्धांत दिया। जन्म के आधार पर बने ऊँच-नीच के सारे भेदभावों को समाप्त कर दिया। पूरी सृष्टि का रचयिता एक है और सारी मानव जाति उसकी ही रचना है। इसलिए सब उसके सामने समान हैं। वह अपनी रचना में कोई भेदभाव नहीं करता।

पैगंबर मुहम्मद (सल्ल.) ने फरमाया –

ऐ लोगो! तुम्हारा रचयिता एक है, तुम्हारा ईश्वर एक है। किसी अरबी को अजरबी पर, अजरबी को अरबी पर, गोरे को काले पर और काले को गोरे पर कोई श्रेष्ठता नहीं है। श्रेष्ठता सिर्फ अच्छे कर्मों के आधार पर मिलती है। वंश परंपरा से कोई महान नहीं बनता।

(हदीस : मसनद अहमद)

भेदभाव किसी भी समाज के लिए एक भयंकर बीमारी है। यह एक पिछड़े समाज की पहचान होती है। यह विषमता ऊँच-नीच, छुआछूत, गोरा-काला, अमीर-गरीब, या स्त्री-पुरुष आदि के रूप में होती है। यह सबसे बड़ा अन्याय है। भेदभाव वाला समाज कभी प्रगति नहीं कर सकता। वहाँ शांति और सुरक्षा का माहौल नहीं हो सकता। ऐसा समाज नष्ट हो जाने के खतरे में रहता है।

यदि जन्म किसी के हाथ में नहीं होता, तो उसके आधार पर किसी की योग्यता का मूल्यांकन करना सरासर अन्याय है। यह भेदभाव न केवल अप्राकृतिक और अस्वाभाविक है, बल्कि अतार्किक और अवैज्ञानिक भी है। यह व्यक्ति की मानसिक पिछड़ापन और वैचारिक दिवालियापन को दर्शाता है।

ईश्वर की बनाई इस धरती पर सभी का समान अधिकार है – हवा, पानी, सूरज, चाँद सबके लिए हैं। सभी मनुष्यों की शारीरिक संरचना एक जैसी है। सबके शरीर में खून लाल ही बहता है, न तो वह हरा है, न नीला, न भगवा। फिर जन्म के आधार पर कोई एक व्यक्ति दूसरे से श्रेष्ठ कैसे हो सकता है?

इस्लाम की यह शिक्षा तार्किक और वैज्ञानिक आधार पर खड़ी है। विश्वभर की किसी भी ब्लड बैंक में मनुष्य का रक्त सिर्फ चार प्रकार का पाया जाता है। जाति, धर्म, रंग या वर्ण के आधार पर खून के अलग-अलग ग्रुप नहीं होते। जब हमारा रक्त एक समान है, तो क्या हम सब एक ही सृजनहार की संतान नहीं हैं? क्योंकि रक्त से बढ़कर कोई रिश्ता नहीं होता।

इस्लाम के अनुसार संपूर्ण मानवजाति एक ही माता-पिता की संतान है –

चाहे वह हिंदू हो या मुसलमान, सिख हो या ईसाई, चीनी हो या अमेरिकी, काला हो या गोरा, सवर्ण हो या शूद्र, किसी भी धर्म या जाति का हो, किसी भी भूभाग से हो, स्त्री हो या पुरुष – सभी एक-दूसरे के भाई-बहन हैं। मनुष्य की महानता उसके अच्छे कर्मों से तय होती है, जन्म से नहीं।

कुरआन कहता है –

ऐ लोगो! हमने तुम्हें एक पुरुष और एक स्त्री से पैदा किया और तुम्हें विभिन्न राष्ट्रों और वंशों में बाँट दिया, ताकि तुम एक-दूसरे को पहचान सको। वास्तव में, अल्लाह के यहाँ सबसे श्रेष्ठ वही है जो सबसे अधिक परहेज़गार और सदाचारी है।

(कुरआन ४९:१३)

इस्लाम ने केवल विषमता खत्म करने का उपदेश ही नहीं दिया, बल्कि व्यावहारिक रूप से हर प्रकार की विषमता का समूल नाश कर दिखाया।

आज का आधुनिक समाज भी इससे पूरी तरह मुक्त नहीं हो सका है। अमेरिका जैसा उन्नत देश भी आज विज्ञान और टेक्नोलॉजी के युग में नस्लवाद की बीमारी से ग्रस्त है। हमारे देश में तो जैसे विषमता एक जन्मजात रोग बन गई है।

पैगंबर मुहम्मद (सल्ल.) ने लगभग डेढ़ हजार साल पहले इस विषमता को खत्म कर एक शोषणमुक्त, न्यायपूर्ण और आदर्श समाज खड़ा कर दिखाया। उन्होंने अरब को पूरी तरह गुलामी से मुक्त कर दिया। उन्होंने मनुष्य को वैचारिक गुलामी से भी मुक्ति दिलाई और उसे स्वतंत्र सोचने की शक्ति दी।

इस्लाम ने धर्म, जाति, वंश, वर्ण आदि के आधार पर भेदभाव को केवल निषिद्ध ही नहीं ठहराया, बल्कि उसे एक संवैधानिक अपराध घोषित किया। इस्लाम ने गुलामों को सिर्फ बराबरी का हक ही नहीं दिया, बल्कि उनकी योग्यता के आधार पर उन्हें खलीफा (शासक) भी बनाया। गुलामों को राजा बना देना इस्लामी शिक्षा की अद्वितीय क्रांति थी। इसी विचार से प्रेरित होकर दुनिया के कई समाज सुधारकों ने समानता के लिए आंदोलन चलाए।

समानता का उत्कृष्ट उदाहरण नमाज़ है, जहाँ सब भेदभाव भूलकर लोग कंधे से कंधा मिलाकर एक कतार में खड़े होते हैं। वहाँ राजा और गुलाम सब बराबर होते हैं –

एक ही सफ में खड़े हो गए महमूद और अयाज़,
ना कोई बंदा रहा, ना कोई बंदा-नवाज़।

विषमता मिटाने का इससे अधिक प्रभावी तरीका और क्या हो सकता है?

केवल भाषणों से विषमता खत्म नहीं होती, उसकी व्यावहारिक अमल जरूरी होती है – और इस्लाम ने अपनी इबादतों में इसे सिद्ध कर दिखाया है।

जब तक समाज विषमता से मुक्त नहीं होता, तब तक वह वास्तव में प्रगतिशील नहीं बन सकता और न ही वहाँ शांति और सुरक्षा आ सकती है। इस्लाम ने हर प्रकार के भेदभाव को खत्म कर एक वैश्विक परिवार की नींव रखी।

पैगंबर मुहम्मद (सल्ल.) की इस क्रांति के स्वरूप और उद्देश्य को महात्मा ज्योतिबा फुले ने अपनी कविता 'जहामर्द पैगंबर खरा' में बेहद सटीक शब्दों में इस प्रकार प्रस्तुत किया है –

कोई नहीं श्रेष्ठ, कोई नहीं दास,
जाति और वर्ग का किया नाश।
टूटे अधर्म और मतभेद,
सब में कर दिया एकत्व का बोध।
कमाई की ना रखी कोई लालसा,
हर किसी को दी खुल कर दान।
मानवीय मन की ली अंत में पहचान,
कल्याण की चाह, मन में प्यार।

महात्मा फुले का विश्व परिवार का विचार इस्लामी शिक्षाओं से गहराई से प्रभावित नजर आता है।

संदर्भ ग्रंथ: इस्लाम – द अल्टिमेट आर्ट ऑफ लिविंग

दैनिक भारत की तामीर अखबार के मालिक, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक काजी मखदूम शफीउद्दीन ने आरएम प्रिंटरर्स, बार्शी रोड, बीड 431122 महाराष्ट्र में मुद्रित कर के दैनिक तामीर, नगर परिषद परिसर, बशीर गंज, बीड, महाराष्ट्र कार्यालय से प्रकाशित किया है। मोबाइल : 9270574444 ईमेल : hinditameer@gmail.com वेबसाइट : www.dailytameer.com

daily Bharat ki tameer newspaper owner printer publisher editor Quazi makhdoom shafiuddin has printed at RM printers barshi road beed 431122 Maharashtra at published at office daily tameer nagar parishad complex Bashir gunj beed Maharashtra. Mobile : 9270574444 Email : hinditameer@gmail.com Website : www.dailytameer.com